



Abhishek allen



Model: Web-FreeMatching

Order No: 121658604

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट/ दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ईपीमांससमद का वर्ग मृग है तथा V का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट/ मिलान के अनुसार ईपीमांससमद और V का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

ईपीमांससमद मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

V मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

ईपीमांससमद तथा V में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट/ एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।